myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

हिंदी (केंद्रिक)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

प्रश्नपत्र संख्या 2/1/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1x5 = 5**

भयानक सूखा है
पक्षी छोड़कर चले गए हैं पेड़ों को
बिलों को छोड़कर चले गए हैं चींटे-चींटियाँ
देहरी और चौखट पता नहीं कहाँ किधर चले गए हैं
घरों को छोड़कर।
कहते हैं पिता
ऐसा अकाल कि बस्ती में दूब तक झुलस जाए
सुना नहीं कभी
दूब मगर मरती नहीं– कहते हैं वे
और हो जाते हैं चुप।
निकलता हूँ मैं दूब की तलाश में
छान डालता हूँ गली-चौराहे
कि अचानक मुझे दिख जाती है
शीशे के बिखरे टुकड़ों के बीच एक हरी पत्ती
दूब है, हाँ-हाँ दूब है-
पहचानता हूँ मैं
लौटकर यह खबर देता हूँ पिता को
अँधेरे में भी दमक उठता है उनका चेहरा

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

"है, अभी बहुत कुछ है, अगर बची है दूब....."

बुदबुदाते हैं वे।

(क) सूखे की भयानकता को कवि ने कैसे उभारा है?

(ख) 'लोग अकाल के डर से घरों को छोड़कर चले गए हैं' - यह भाव कविता की किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

(ग) पिता को भीषण अकाल में दूब क्यों याद आती है?

(घ) कवि दूब की तलाश में क्यों निकल पड़ता है?

(ङ) अँधेरे में पिता का चेहरा क्यों दमक उठता है?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रेमचंद की 'रोशनी' कहानी का 'कथावाचक' इंग्लैंड से आई.सी.एस. उत्तीर्ण कर अफ़सर के रूप में कार्यरत है। उसका विश्वास है कि पश्चिमी सभ्यता, शिक्षा और जीवन शैली से ही भारत का कल्याण होगा और इसकी अशिक्षा, जड़ता, अतीत-पूजा, पत्थर-पेड़-पूजा आदि का अंधकार इसी से दूर होगा परंतु उसके तूफ़ान में फँसने पर गाँव की एक देहातिन विधवा उसे मार्ग दिखाती है और ध्यान रखती है कि गर्द-गुबार में वह रास्ता न भूल जाए। इस उपकार के बदले वह आई.सी.एस. अफसर से पाँच रूपए भी नहीं लेती। अफ़सर गाँव के लोगों को जाहिल, मूर्ख और बेखबर मानने की अपनी मूर्खता पर लज्जित होता है और देहाती औरत के साहस, कर्तव्यपालन, स्वाभिमान, सेवाभाव तथा ईश्वर विश्वास आदि को देखकर मान लेता है कि एक देहातिन भी आत्मिक शिक्षा एवं संस्कृतिके उच्च स्थान पर बैठी हो सकती है, और इस आत्मिक उन्नयन के लिए पश्चिमी शिक्षा या जीवनशैली की आवश्यकता नहीं होती। प्रेमचंद उस गँवार, देहाती, अनपढ़ औरत को मनुष्यता के शीर्ष पर प्रतिष्ठित करते हैं जिसके प्रभाव से अंग्रेजी संस्कृति का भक्त और भारतीयता से नाक-भौंह सिकोड़ने वाला अफ़सर भी एक अच्छा मनुष्य बन जाता है। प्रेमचंद की यही विशेषता है जो उन्हें अन्य कथाकारों से भिन्न पंक्ति में विशेष स्थान देती है। पढ़े-लिखे और संभ्रांत कहे जाने वाले पात्रों के दंभ को वे अपनी कलम से तार-तार कर देते हैं।

(क) प्रेमचंद को अन्य कहानीकारों से भिन्न क्यों माना गया है? **2**

(ख) गद्यांश में प्रेमचंद की किस कहानी का उल्लेखहै? **1**

(ग) आई.सी.एस. अधिकारी की भारत के बारे में क्या धारण थी? **2**

(घ) ग्रामीणों के प्रति अफसर की क्या धारणा थी? **1**

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ङ) अंततः उसे ग्रामीण महिला में किन गुणों के दर्शन हुए? **1**

(च) देहातिन के संपर्क में आने के बाद अफसर की विचारधारा में क्या परिवर्तन आया? **2**

(छ) प्रेमचंद उस ग्रामीण महिला को मनुष्यता के शीर्ष पर कैसे बिठाते हैं? **2**

(ज) गद्यांश से दो मुहावरे चुनकर उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **2**

(झ) 'इक' और 'ता' प्रत्यय से एक-एक शब्द बनाइए। **1**

(ञ) कर्मवाच्य में बदलिए- एक देहातिन विधवा उसे मार्ग दिखाती है। **1**

खंड - 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए: **5**

(क) मेरा जीवन स्वप्न

(ख) सूखे की विभीषिका

(ग) आंतकवाद की समस्या

(घ) क्यों पढ़ें हिंदी

4. इरफ़ान केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई में कनिष्ठ सहायक के पद पर काम कर रहे हैं किन्तु क्षेत्रीय कार्यालय इलाहाबाद में स्थानांतरण चाहते हैं। इरफ़ान की ओर से संयुक्त सचिव (प्रशासन) को एक आवेदन पत्र लिखिए और स्थानांतरण चाहने के दो कारणों का भी उल्लेख कीजिए। **5**

अथवा

आप सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। वहाँ उपस्थित पुलिसकर्मी आपकी अनदेखी कर चले गए। मित्रों की सहायता से जब आप पुलिस स्टेशन पहुँचे तो आपकी ओर से रिपोर्ट भी नहीं लिखी गई। पूरा विवरण देते हुए अपने ज़िले के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: **1x5 = 5**

(i) प्रिंट माध्यम से क्या तात्पर्य है?

(ii) टेलीविज़न समाचारों में एंकर बाइट क्यों जरूरी है?

(iii) इंटरनेट किसे कहते हैं?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iv) फ्री लांस पत्रकार किसे कहा जाता है?

(v) रेडियो नाटक से आप क्या समझते हैं?

(ख) 'एक चुनावी सभा' अथवा 'आँखों देखी दुर्घटना' विषय पर एक आलेख लिखिए। **5**

खंड - 'ग'

7. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **2x4 = 8**

यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!
फिर-फिर
बार-बार गर्जन
वर्षण है मूसलधार,
हृदय थाम लेता संसार,
सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार।

(क) 'रणतरी' किसे कहा गया है? वह किन आकांक्षाओं से भरी है?

(ख) बादल को 'विप्लव के बादल' क्यों कहा गया है?

(ग) क्रांति की कामना कौन कर रहे हैं? क्यों?

(घ) बादल के किन क्रिया-कलापों को क्रांति के क्रिया-कलाप माना जा सकता है?

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
जोर ज़बरदस्ती से

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया।
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!

(क) आशय स्पष्ट कीजिए - बात की चूड़ी मर गई।

(ख) लेखक को क्या डर था? उसके घटित होने का क्या परिणाम हुआ?

(ग) 'कील जैसी ठोंकी हुई भाषा' की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(घ) काव्यांश का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः **2+2+2 = 6**

नभ में पाँती बँधे बगुलों के पंख
चुराए लिए जातीं मेरी वे आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) काव्यांश में चित्रित प्रकृति सौंदर्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) मानवीकरण का एक उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रभु प्रलाप सुनि कान विकल भए बानर निकर।
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना मँह बीर रस।।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) उत्प्रेक्षा का एक उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रयुक्त छंद का नाम लिखिए और अनुप्रास का एक उदाहरण छाँट कर लिखिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **3+3 = 6**

(क) 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है -इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(ख) 'कवितावली' से उद्धृत कवित्तों के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है।

(ग) 'बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है' और कविता के शीर्षक 'सहर्ष स्वीकारा है' में आप कैसे अंतर्विरोध पाते हैं? स्पष्ट कीजिए।

10. नीचे दिए हुए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **2x4 = 8**

बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिल्कुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाज़ार की असली कृतार्थता है, आवश्यकता के समय काम आना।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए - मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ।

(ख) 'लू' का उदाहरण क्यों दिया गया है? इस उदाहरण की सटीकता पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) बाज़ार कब आंनद देता है? कैसे?

(घ) बाज़ार की असली कृतार्थता किसे माना है? क्यों?

अथवा

''वह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानीवाले बादलों की फ़सल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

दो, तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे। भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। 'यथा राजा तथा प्रजा' सिर्फ यही सच नहीं है। सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा। यही तो गाँधीजी महाराज कहते हैं।''

(क) पाठ और लेखक का संदर्भ देकर बताइए कि यह कथन किसका है और किस प्रसंग में कहा गया है?

(ख) बुवाई का सामान्यतः क्या अर्थ है? बादलों की फ़सल पाने के लिए क्या करना पड़ता है?

(ग) दान का महत्त्व किस प्रकार समझाया गया है? स्पष्ट करें।

(घ) 'व्यक्ति के आचरण से ही समाज का आचरण बनता है।' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए: **3x4 = 12**

(क) ''नामक' कहानी में भारत और पाकिस्तान की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद भी घुला है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) लेखक ने शिरीष को 'अद्‌भुत अवधूत' क्यों कहा है? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर कारणों का उल्लेख कीजिए।

(ग) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक अंग न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं?

(घ) चार्ली चैप्लिन कौन था? चार्ली के 'भारतीयकरण' से लेखक का क्या आशय है?

(ङ) अपने बेटों के देहांत के बाद भी लुट्टन पहलवान पहले की भाँति ढोल क्यों बजाता रहा?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **3+3 = 6**

(क) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ खुद को ढाल लेती है पर वे ऐसा नहीं कर पाते। आपके विचार से इसके क्या कारण को सकते हैं? 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर लिखिए।

(ख) 'जूझ' के लेखक की छूटी हुई पढ़ाई फिर से शुरू करने में दत्ताजी राव देसाई के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर महिलाओं के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: **2+2 = 4**

(क) 'जूझ' कहानी क्या संदेश देती है?

(ख) 'किशन दा' के अमिट प्रभाव के कारण यशोधर वर्तमान में ताल-मेल नहीं बिठा पाते। 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) ऐन फ्रेंक की डायरी की प्रसिद्धि के दो कारण लिखिए।

14. 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी पर उसमें भव्यता का आंडबर नहीं था। **5**

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर पीढ़ियों के अंतराल के कारणों पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट कीजिए कि उसे कैसे कम किया जा सकता है?

प्रश्नपत्र संख्या 2/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए **1x5 = 5**

किस भाँति जीना चाहिए, किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से ज्ञात करना चाहिए।
पद-चिन्ह उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए
निज पूर्व गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए।।

आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के
साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।
क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता, अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की, कहो।।

प्राचीन हों कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस की-सी चातुरी।
प्राचीन बातें ही भली हैं - यह विचार अलीक है,
जैसी अवस्था हो जहाँ, वैसी व्यवस्था ठीक है।।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा,

हैं, सब स्वेदशी बंधु, उनके दुःख-भागी हो सदा।

देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,

निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो।।

(क) अतीत का गौरव बनाए रखने के लिए कवि हमें क्या परामर्श देता है?

(ख) 'विविध सुमनों की एक माला' का उदाहरण कवि ने क्यों दिया है?

(ग) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनमें कहा गया है कि पुराना होने से कोई बात अच्छी नहीं हो जाती, हमें विवेकपूर्वक उनकी परख करनी चाहिए

(घ) अपने देशवासियों के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए- 'मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा'।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एंव उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जागना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा। विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ ग़रीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र - सभी को भाई मानें और गर्व से कहें - हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों मे विवेकानन्द गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(क) विवेकानंद कौन थे? उन्होंने क्या स्वप्न देखा था? **2**

(ख) पश्चिम के उद्देश्यों से भिन्न भारत के बारे में उनका क्या मानना था? **2**

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए- 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी। **2**

(घ) विवेकानंद दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत क्यों मानते थे? **2**

(ङ) 'मनुष्य को मानव', 'आदमी को इन्सान' बनाने से क्या तात्पर्य है? **2**

(च) विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की ज़रूरत है? **1**

(छ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : **1**

अभिव्यक्त, भारतीयता।

(झ) रचना के अनुसार वाक्य-भेद बताइए: **1**

भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है।

(ञ) विशेषण बनाइए: **1**

पश्चिम, चिंतन।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **5**

(क) खेलकूद में उभरता भारत

(ख) क्या नहीं कर सकती नारी

(ग) बढ़ती जनसंख्या : अभिशाप या वरदान

(घ) काल्पनिक या वास्तविक हवाई यात्रा का वर्णन

4. दो दिन की वर्षा के बाद सड़कों और नालों की दुर्दशा और जनता की परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, ज़िला अधिकारी को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

बस में गुंडों के द्वारा घेर लिए जाने पर एक महिला यात्री की सहायता करने वाले बस-संवाहक के साहस और कर्तव्य-भावना की प्रशंसा करते हुए परिवहन-निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : **1x5 = 5**

(i) संपादकीय किसे कहते हैं?

(ii) समाचार और फ़ीचर में क्या अंतर होता है?

(iii) विशेष लेखन के किन्हीं दो प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' का क्या आशय है?

(v) किन्हीं दो हिन्दी समाचार चैनलों के नाम लिखिए।

(ख) 'महिलाओं के विरूद्ध बढ़ते अपराध' अथवा 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। **5**

6. 'मोबाइल बिना लगे सब सूना' अथवा 'नई फ़िल्म के दर्शक नदारद' विषय पर एक रिपोर्ट का आलेख लिखिए। **5**

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **2x4 = 8**

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है।
नहीं सहा जाता है।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुम्हें' पद आपके विचार से किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

(ख) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में 'अमावस्या' की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कवि अपने संबोध्य प्रिय पात्र को क्यों भूल जाना चाहता है?

(घ) काव्यांश में दो स्थानों पर दो वाक्यांशों की आवृत्ति से अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पड़ा है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ज़ोर ज़बर्दस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया।
ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त!
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा–
''क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?''

(क) बात की चूड़ी कब मरती है? उसका क्या परिणाम होता है?

(ख) भाषा-प्रयोग के संदर्भ में 'कील की तरह ठोंक देने' का क्या भाव है?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए - ''क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?''

(घ) बात की तुलना शरारती बच्चे से क्यों की गई है?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2x3 = 6**

प्रभु प्रलाय सुनि कान, बिकल भए बानर निकर
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना मँह बीर रस।।

(क) काव्यांश के छंद और उसकी भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(ग) हनुमान के आगमन को 'करुण रस में वीर रस का आगमन' क्यों कहा गया है? इसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) ये पंक्तियाँ किस छंद में लिखी गई हैं? छंद की विशेषता बताइए।

(ख) पंक्तियों की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए - 'देख आईने में चाँद उतर आया है'।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3+3 = 6**

(क) 'उषा' कविता के उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूटता है।

(ख) 'बच्चन' के गीत के आधार पर उन स्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण पथिक जल्दी चलता है।

(ग) चौकोने छोटे खेत को कवि ने काग़ज़ का पन्ना क्यों कहा है? उस खेत में 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' कैसे है?

10. नीचे दिए हुए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2x4 = 8**

फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

वे डटे रहते हैं। वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग इन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते, तब तक जमे रहते हैं।

(क) गद्यांश में किस वनस्पति की चर्चा हुई है? उसके बारे में कवियों की किस धारणा को लेखक ग़लत ठहरा रहा है?

(ख) शिरीष के फलों की क्या विशेषता है?

(ग) लेखक को कुछ नेताओं की याद क्यों आ जाती है?

(घ) वसंत ऋतु में वनस्थली के सौंदर्य और उस पर शिरीष के अटपटेपन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उन्होंने पुड़िया को धीरे से अपनी तरफ़ सरकाना शुरू किया। जब सफ़िया की बात ख़त्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले, "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।" वह चलने लगी तो वे भी खड़े हो गए और कहने लगे, "जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन ख़ातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।"

(क) कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्वपूर्ण क्यों हो गई है?

(ख) सफ़िया ने कस्टम अफ़सर को इस पुड़िया के बारे में क्या बताया होगा?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए- "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।"

(घ) कस्टम-अधिकारी के कथन - ' सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा' से आप कहाँ तक सहमत हैं? क्यों?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3x4 = 12**

(क) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए कि जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को कैसे सही ठहराया।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) बाज़ार का ज़ादू क्या है? उसके चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता हैं?

(ग) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपा-दृष्टि कब प्राप्त हुई? उससे पहलवान की दिनचर्या में क्या अंतर आया?

(घ) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ङ) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे भीमराव आंबेडकर के क्या तर्क थे?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3+3 = 6**

(क) 'जूझ' कहानी के आधार पर ग्रामीण जीवन की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर बताइए कि अपने निवास के निकट पहुँचकर वाई.डी. पंत को क्यों लगा कि वे किसी ग़लत जगह पर आ गए हैं।

(ग) ऐन फ्रैंक की डायरी को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ क्यों माना जाता है?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2+2 = 4**

(क) ऐन फ्रैंक की डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी गई होगी?

(ख) यशोधर बाबू को बच्चों की तरक़्क़ी अच्छी भी लगती है और 'समहाउ इंप्रॉपर' भी। ऐसा क्यों?

(ग) मुअन-जो-दड़ो की सभ्यता को 'लो प्रोफ़ाइल' सभ्यता क्यों कहा गया है? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

14. ''टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगी के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं।'' इस कथन की समीक्षा 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कीजिए। **5**

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

अंक - योजना - हिंदी (केंद्रिक)

सामान्य निर्देश :

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक–योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।
2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भाँति आद्योपांत विचार–विनियम नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
3. मूल्यांकन अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके अंक–योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।
4 प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक देकर उन्हें गोलाकृत कर दिया जाए।
6 यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का अतिरिक्त उत्तर भी लिख दिया है तो उस उत्तर पर अंक दिए जाएं जिसे पहले लिखा गया हो।
7. संक्षिप्त, किन्तु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
8. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
9. अपरिठत गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ, बोध–क्षमता और ग्रहणशीलता का परीक्षण किया जाता है, अतएव इनके उत्तरों में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।
10. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थियों ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएं।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

प्रश्न-पत्र-संख्या 2/1/1

(खण्ड—क) 5 अंक

1. (क) • पक्षी पेड़ों को छोड़कर चले गए, चींटी-चींटे बिलों को छोड़कर चले गए हैं। लोग घरों को छोड़कर चले गए हैं। 1

(ख) • देहरी और चौखट पता नहीं कहाँ किधर चले गए हैं घरों को छोड़कर। 1

(ग) • क्योंकि कितना भी अकाल पड़े दूब कभी मरती नहीं। 1

(घ) • पिता के विश्वास का प्रमाण ढूँढ़ने कि दूब कभी मरती नहीं। 1

(ङ) • पिता का विश्वास दृढ़ हुआ कि अब भी सब कुछ नष्ट नहीं हुआ। जीवन की आशा अब भी है क्योंकि दूब जीवित है। इसलिए उनका चेहरा दमक उठा। 1

2. (क) • प्रेमचंद पढ़े - लिखे और संभ्रात लोगों के स्वभाव के दंभ के खोखलेपन को अपनी कहानियों में तार-तार कर देते हैं और ग्रामीण पात्रों के मानवीय गुणों के प्रमाण देते हैं। 15 2

(ख) • 'रोशनी'' शीर्षक कहानी का। 1

(ग) • पश्चिमी शिक्षा, सभ्यता और जीवन शैली से ही भारत का कल्याण होगा।

• इसी से भारत के लोगों का अज्ञान और उनके अंधविश्वास दूर होंगे। 1+1 = 2

(घ) • ग्रामीण जाहिल, मूर्ख और नई बातों से बेखबर होते हैं। 1

(ङ) • ग्रामीण महिला में साहस, कर्त्तव्य-पालन, स्वाभिमान, सेवाभाव तथा ईश्वर विश्वास आदि गुणों के दर्शन हुए। 1

(च) • कि ग्रामीण संस्कृति भी उच्च हो सकती है।

• आत्मिक विकास के लिए पश्चिमी जीवन शैली अनावश्यक है। 1+1 = 2

(छ) • वे प्रमाणित करते हैं कि अंग्रेजी सभ्यता और संस्कृति का भक्त और भारतीयता से घृणा करने वाला व्यक्ति भी ग्रामीण महिला के प्रभाव से बदल गया। 2

(ज) • रास्ता भूलना, नाक भौंह सिकोड़ना, तार-तार करना में से किन्हीं दो का वाक्य प्रयोग। 1+1 = 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(झ) • इक और ता प्रत्यय से बना एक-एक शब्द ½x½ = 1

(ञ) • कर्मवाच्य - एक देहातिन विधवा द्वारा उसे मार्ग दिखाया जाता है।

खंड 'ख'

3. निबंध- 5 अंक

- भूमिका और उपसंहार ½x½ = 1
- विषय वस्तु वर्णन 3
- भाषा और प्रस्तुति शैली ½x½ = 1

4. पत्र - 5 अंक

- प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं ½x½ = 1
- प्रश्नानुकूल लेखन 3
- भाषा और प्रस्तुति ½x½ = 1

5. (क) (i) प्रिंट अर्थात् मुद्रित माध्यम - जैसे अखबार, पत्र-पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि। 1

(ii) खबर को पुष्ट करने और उसे प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष दर्शियों का कथन (एंकर बाइट) जरूरी है। 1

(iii) सूचना, मनोरंजन, ज्ञान, व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान के लिए प्रयुक्त टूल (उपकरण 1

(iv) किसी खास अखबार से बँधा नहीं होता, वह भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखता है। 1

(v) रेडियो से प्रसारित होने वाली श्रव्य विधा का नाटक। 1

(ख) • आलेख की विषय वस्तु 2

- प्रस्तुति शैली 2 5 अंक
- प्रभावी भाषा 1

6. फीचर की विषय- वस्तु 2

प्रस्तुति शैली 2 5 अंक

प्रभावी शैली 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

खंड 'ग'

7. (क) • यह तेरी .... वज्र-हुंकार।

• बादलों को युद्ध में काम आने वाली नौका कहा गया है। 1+1 = 2

• वह अच्छी लहलहाती फसलों और क्रांति की आकाक्षाओं से भरी है।

(ख) • बादल वर्षा के द्वारा सूखती फसल को हरा-भरा कर सकते हैं। 2

• जैसे क्रांति जर्जर समाज में नई चेतना फूँक सकती है।

(ग) • छोटे-छोटे सुकुमार पौधे, समाज के सबसे निचले वर्ग के लोग।

• क्योंकि क्रांति से सर्वाधिक लाभ उन्हें ही होता है। 1+1 = 2

(घ) • बादलों की गर्जना, मूसलाधार बरसना, हुंकार मार कर लोगों को डराना, आदि को क्रांति के क्रिया-कलाप माना जा सकता है। 2

अथवा 2x4 = 8 अंक

(क) • भाषा के बेतुके प्रयोग से बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है?

• वह व्यर्थ और निरर्थक हो गई। 1+1 = 2

• शब्दों को बिना सोचे-समझे प्रयोग करने से वे प्रभावहीन न हो जाएँ।

• शब्दों के विचारहीन प्रयोग से उनकी शक्ति (प्रभाव) जाती रही। 2

• वह भाषा ऊपर से तो ठीक-ठाक दिखती हैं पर बे-असर होती है। उसमें कसाव नहीं होता, न ही शक्ति। 2

• प्रत्येक बात के लिए एक निश्चित शब्दावली होती है। जिससे सरल-सहज भाषा में भी प्रभाव पैदा किया जा सकता है। ऐसा न करने पर, शब्दों से छेड़-छाड़ करने पर बात प्रभावहीन हो जाती है। 2

8. (क) • सहज सरल बोली के प्रयोग - पाँती बँधे, कजरारे, हौले-हौले, सांझा। 2+2+2= 6 अंक

• सरल तत्सम प्रयोग- नभ, छाया, सतेज, श्वेत काया।

• कोई अन्य। 1+1 = 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) • शाम के समय काले बादल छाए हैं, श्वेत बगुलों की पंक्तियां आकाश में उड़ रही हैं, काले बादलों के नीचे यह सफेद पंक्ति आंखों को भली लग रही है। 2

(ग) • तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।

• सांझ पर मानवीय क्रिया-कलापों का आरोप 1+1 = 2

अथवा

(क) • भाषा सरल, मधुर, अवधी 2

• तत्सम शब्दों का भी प्रयोग

(ख) • आइ गयउ हनुमान जिमि करूना मँह बीर रस। 2

• लक्ष्मण मूर्छा के कारण वातावरण करुण रस से पूर्ण है। ऐसे में हनुमान का आना वीर रस के समान हैं क्योंकि लक्ष्मण की मूर्छा टूट जाने पर पुनः युद्ध प्रारंभ हो जाएगा।

(ग) • छंद - सोरठा 2

• अनुप्रास- प्रभु प्रलाप,
सुनि कान
बानर निकर

9. (क) • राख से लीपा गीला चौका

• काली सिल पर केसरिया रंग

• काली स्लेट पर खड़िया मिट्टी से लिखना।

• खुले तालाब में युवतियों का नहाना

(किन्हीं दो का उल्लेख) 1+1 = 2

(ख) • खेती अपर्याप्त, भिखारी को भीख न मिलना, व्यवसाय का अभाव, नौकरी न मिलना, कहाँ जाएँ, क्या करें का भाव, उदरपूर्ति के लिए कठिन कर्म, विपन्नता में बेटा-बेटी भी बेच देना आदि। 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ग) • कवि अपने जीवन की जिस स्थिति से ऊब चुका हैं, वही उसके लिए प्रेरक भी हैं, रमणीय भी और उसे स्वीकार्य भी। पर यह समर्पण और सुख-संपत्ति का समृद्ध जीवन अब उसे उबाने लगा है। अतः वह उससे छुटकारा पाना चाहता है। 1+1 = 2

10. (क) • मन खाली होने पर बाज़ार जाने पर व्यर्थ और अनावश्यक वस्तुएं भी ज़रूरी और आरामदायक लगेंगी इसलिए वह उन्हें खरीदना चाहेगा और अंततः वे अनुपयोगी और कष्टकारक होंगी। 2x4 = 8 अंक 2

(ख) • पानी पीकर बाहर निकलने से लू नहीं लगती, बेअसर हो जाती है। इसी प्रकार मन को तृप्त कर बाहर निकलने पर बाज़ार का जादू असर नहीं करेगा। 2

(ग) • मन लक्ष्य से भरा हो, मन में खालीपन न हो तो बाज़ार देखने में आनंद आएगा क्योंकि कोई वस्तु लुभाएगी नहीं और हम तनावमुक्त रहेंगे। 2

(घ) • आवश्यकता के समय काम आना। क्योंकि आवश्यकता न हो फिर भी वस्तुएं खरीदना जादू से बंधने जैसा है। 2

अथवा

(क) • काले मेघा पानी दे -पाठ

धर्मवीर भारती - लेखक ½+½ = 1

• लोक विश्वास के अनुसार 'इद्रसेना' या 'मेंढक-मंडली पर पानी उड़ेलने से इंद्रदेवता प्रसन्न होकर वर्षा करते हैं। इस विश्वास पर जीजी लेखक को समझा रही है। 1 = 2

(ख) • खेतों में बीज बोना।

• बादलों की फसल के लिए पानी का दान करना पड़ता है। 1+1 = 2

(ग) • किसी को कुछ देने से वह दान चौगुना-अठगुना हो कर वापिस मिलता है। दान देना व्यर्थ नहीं जाता, उसका फल अवश्य मिलता है। 2

(घ) • मुक्त उत्तर संभव, अतः स्वीकार किए जाएँ।

• पक्ष या विपक्ष में दो संगत तर्क। 1+1 = 2

11. किन्हीं चार के उत्तर अपेक्षित 3×4 = 12

(घ) • भारत और पाकिस्तान में विभाजन के कारण कड़वाहट है, पर दोनों देश सामाजिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक दृष्टि से एक ही विरासत के साझेदार हैं। परस्पर प्रेम और चाहत का यह स्वाद ही 'नमकीन' है जो कड़वाहट को भुलाता है।

(ख) • जैसे संयासी (अवधूत) सुख-दुख, कष्ट सुविधा की चिंता नहीं करता उसी प्रकार शिरीष भी धूप, वर्षा, आँधी से अप्रभावित खड़ा रहता है।

(ग) • सभ्य समाज में श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन स्वाभाविक नहीं है।

• मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं।

• निजी क्षमता का विचार किए बिना दूसरों द्वारा पेशा निर्धारित किया जाता है।

• जीवन भर एक पेशे मे बांध देती है, भले ही वह पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त हो।

(घ) • चार्ली एक हास्य अभिनेता है। उसकी कला को व्यापक स्वीकारोक्ति मिली।

• राजकपूर की 'आवारा', 'श्री 420' जैसी फिल्में चार्ली का भारतीयकरण हैं।

(ङ) • गाँव के अन्य रुग्ण, मरणासन्न लोगों की पीड़ा कम हो सके।

• मृत्यु को स्वीकारने का हौसला मिले।

• अपनी बहादुरी और दिलेरी का परिचय वह गाँव वालों को देना चाहता था।

12. किन्हीं दो के उत्तर अपेक्षित 3+3=6 अंक

(क) • मूल संस्कारों से आधुनिक न होते हुए भी बच्चों के प्रभाव से समय के साथ ढल पाने में सफल होती हैं पर यशोधर बाबू किशन दा से प्रभावित होने के कारण सिद्धातों से ही जुड़े रहे।

• मातृ सुलभ प्रेम के कारण वे अपनी संतानों का पक्ष लेती हैं जबकि यशोधर बाबू पुरानी पीढ़ी की सोच के हिसाब से सोचते हैं इसी कारण समय के हिसाब से ढल पाने में असफल होते हैं।

(ख) • दत्ता जी राव ने पिता को बुलाकर डांटा कि उनका काम छोड़ने के बाद वह अपने खेतों की देखभाल ठीक से नहीं करता, बीवी बच्चों का ध्यान नहीं रखता, अपनी मस्ती के लिए बेटे का जीवन बलि चढ़ा रहा है। पिता के तर्कों को दत्ता जी ने काट दिया। लेखक से कहा कि कल से पाठशाला जाया करे।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

पिता अगर जाने नहीं दे तो मेरे पास आ जाना। उनके दबाव में ही लेखक को पढ़ने की सुविधा प्राप्त हुई।

(ग) • ऐन ने तत्कालीन समाज में औरतों की कारुणिक स्थिति का रूप प्रस्तुत किया है। स्त्रियों को घर की देहरी के बाहर की दुनिया में पैर रखने की इजाजत नहीं थी। सैनिकों को पदक मिलते हैं पर स्त्रियों को कोई सम्मान नहीं दिया जाता। बच्चों के जन्म के समय उन्हें पीड़ा सहन करनी पड़ती है फिर भी उन्हें तिरस्कार मिलता है। 3

13. किन्हीं दो के उत्तर अपेक्षित 2+2 = 4

(क) • जूझ का अर्थ संघर्ष। प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए जीवन में सफलता पाई जा सकती है।

(ख) • वे साधारण परिवार की पृष्ठभूमि से थे। घोर परंपरावादी किशनदा उनके आदर्श थे। वे भी परंपराओं का ही निर्वाह करते रहे। जीवन भर बदल नहीं सके।

(ग) • ऐन की डायरी यहूदियों को ओर से बोलने वाली आवाज़ है। उस ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है। एक साधारण लड़की की असाधारण सोच। जो स्वयं की अभिव्यक्ति से सामूहिक अभिव्यक्ति बन गई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)।

14. • मुअन जो-दड़ो शहर का व्यवस्थित ढाँचा और मकानों की बनावट से यह स्पष्ट होता है कि साधन संपन्न होते हुए भी भव्यता नहीं थी। सड़कों की बनावट सीधी-सादी थी। सड़कें चौड़ी नहीं थीं। मकानों की बनावट बहुत भव्य नहीं थी। सामूहिक स्नानागार पूजास्थल, सामुदायिक भवन थे। कपास, तांबे का उपयोग, खेती का प्रमाण प्रकट करता है। भव्य राज प्रसाद व मंदिर नहीं थे, न ही राजाओं से जुड़े चिह्न मिलते हैं। साधनों और व्यवस्थाओं को देखते हुए उसे समृद्ध भी माना गया है, इसमें सभ्यता का आडम्बर नहीं मिलता। 5 अंक

अथवा

- यशोधर बाबू स्वयं पीढ़ी के अंतराल को स्वीकारते है। वे मानते हैं कि उनकी संतानें उनसे अधिक दुनियादारी जानती है। वे रूढ़िवादी हैं, पुरानी परंपराएं, रीति-रिवाज उन्हें अच्छे लगते हैं। वे समय के साथ ढल नहीं पाए, अब भी साइकिल से दफ्तर जाते हैं। 5
- भौतिक सुख के विरोधी। एनीवर्सरी घर पर मनाना या पार्टी देना उन्हें अच्छा नहीं लगता। उनकी वेशभूषा अत्यंत साधारण थी।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

- परिवार के प्रति प्रेम और लगाव से इसे कम किया जा सकता है।
- बच्चों की खुशी में खुश होने से।
- पुरानी परंपराओं और रूढ़िवादिता से उबर कर।

(समग्र उत्तर के आधार पर अंक दिए जाएं।)

प्रश्न-पत्र-संख्या 2/1

(खण्ड–क) **6 अंक**

1. (क) पूर्वज महापुरुषों के पदचिन्हों को, उनके कार्यों को ढूंढना चाहिए। अतीत गौरव को भुलाना नहीं चाहिए। 1

(ख) भारत देश की विविधता में एकता दिखाने और सांप्रदायिक सौहार्द्र के लिए। 1

(ग) प्राचीन हों कि नवीन .... वह विचार अलीक है। 1

(घ) उनके प्रति बंधुत्व का भाव तथा दुख-सुख में भागीदार। 1

(ङ) देशभक्ति का दिखावा न कर मन से देशभक्ति करें। 1

2. (क) एक महापुरुष, भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न। 15 अंक
1+1 = 2

(ख) पश्चिम के संस्कार भारत के अनुकूल नहीं, कुसंस्कारों जातीय भेदभाव का त्याग तथा अशिक्षित गरीब भारतीयों की सेवा तथा उत्थान। 1+1 = 2

(ग) दरिद्रजन ही भगवान हैं। अतः उनकी सेवा भगवान की सेवा है। 1+1 = 2

(घ) अपराध दरिद्र नहीं करते, धनी करते हैं। गरीबी अपराध नहीं है। 1+1 = 2

(ङ) संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बनाना, उनमें मानवीय गुणों का समावेश। 1+1 = 2

(च) जो शिक्षा मनुष्य में आदर्श मानवीय गुणों का विकास करे। 1

(छ) राष्ट्रीय जागरण में विवेकानंद की भूमिका (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)। 1

(ज) अभि, ईय/ता ½+½ = 1

(झ) मिश्र वाक्य ½x½ = 1

(ञ) पश्चिमी, चिंतनीय/चिंतक ½x½ = 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

खंड 'ख'

3. निबंध का अंक विभाजन — 5 अंक

- भूमिका और उपसंहार — ½x½ = 1
- विषय वस्तु वर्णन — 3
- भाषा और प्रस्तुति शैली — ½x½ = 1

4. पत्र का अंक विभाजन — 5 अंक

- प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं — ½x½ = 1
- प्रश्नानुकूल लेखन — 3
- भाषा और प्रस्तुति — ½x½ = 1

5. (क) (i) किसी महत्वपूर्ण सामयिक विषय पर संपादक द्वारा लिखा गया लेख। — 1

(ii) समाचार - कोई घटनाक्रम जिसमें पाठकों/श्रोताओं की रुचि हो, तात्कालिकता हो। — 1

(iii) किसी खास विषय पर लेखन जैसे - रक्षा, विज्ञान, कृषि, शिक्षा, खेल और व्यापार आदि। — 1

(iv) हलका या क्षेत्र जो किसी पत्रकार के लिए निर्धारित हो। — 1

(v) आज तक, जी न्यूज, स्टार - न्यूज, दूरदर्शन आदि (किन्हीं दो का उल्लेख) — 1

(ख) रिपोर्ट/फीचर का आलेख - मुक्त उत्तर

अंक योजना
- प्रस्तुति शैली — 2 — 5 अंक
- प्रभावी भाषा — 2
- प्रभावी भाषा — 1

6. रिपोर्ट/फीचर का आलेख - मुक्त उत्तर

अंक योजना
- विषय वस्तु — 2 — 5 अंक
- प्रस्तुति शैली — 2
- प्रभावी भाषा — 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

खंड 'ग'

7. क) प्रेयसी/पत्नी/मां मे से किसी एक के लिए मानते हुए दो तर्क। 2x4 = 8 अंक

ख) जीवन में सब कुछ (आनंद और सुख भी) भूल जाने की स्थिति।

ग) वह उसके रंग में इतना रँग चुका है कि अब उससे मुक्ति चाहता है।

घ) दुहराव- 'भूलूं मैं, भूलूं मैं - भूल जाने की तीव्र इच्छा।

'सहा नहीं जाता है, नहीं सहा जाता है' - असहनीयता पर बल।

अथवा

क) जब संदर्भ के अनुकूल भाषा का प्रयोग न किया जाए और हठ न छोड़ी जाए।

ख) दिखावा या आंडबर- उसमें न कसाव होता है और न शक्ति।

ग) प्रसंगानुसार, सुविधानुसार उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए भाषा का सहज प्रयोग करना नहीं सीखा।

घ) शरारती बच्चों के साथ खेलने का अपना एक अलग आनंद होता है। ठीक उसी प्रकार सहज शब्दों के साथ रचना करना भी आनंददायक होता है।

8. (क) सोरठा छंद का प्रयोग है। भाषा अवधी है। (1+1) 2x3 = 6 अंक

ख) प्रभु-प्रलाप, बानर निकर, सुनि कान (कोई दो) (1+1)

ग) लक्ष्मण मूर्छा से वानर समूह निराश और शोकग्रस्त था (करुण रस) किंतु हनुमान द्वारा संजीवनी लाने से उत्साह का संचार हुआ (विजय की संभावना बढ़ गई - वीर रस)। (2)

अथवा

(क) 'रुबाई' छंद है। 1,2,4 पंक्तियों में तुक, तीसरी पंक्ति अतुकांत।

(ख) i) भाषा सरल खड़ी बोली, बोलचाल की भाषा है।

ii) नामधातु-जिदयाया, ललचाया आदि देशज शब्दों का प्रयोग

(ग) i) मां की चतुराई प्रशंसनीय है।

ii) कवि की सुंदर कल्पना जिसमें बालक दर्पण में ही चांद का सुख पा लेता है।

9. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 3+3 = 6 अंक

(क)
- अंधेरे के कारण आकाश को कालीसिल और लाली को केसर मानना।
- आकाश को काली स्लेट मानना।
- उगते सूर्यबिंब को नील जल में स्नान करती युवती समझना। ये सभी दृष्टिभ्राम जादू हैं, जो सूर्योदय के बाद टूटते हैं।

(ख)
- दिन ढलने का समय होने के कारण मंज़िल तक पहुंचने की व्यग्रता।
- पथ में ही रात हो जाने की आशंका/भय।
- प्रतीक्षारत बच्चों का स्मरण।

(ग)
- कागज़ और खेत दोनों ही रचना/सृजन के आधार।
- खेत में जैसे फसल उगती है उसी प्रकार कागज पर नई रचना।
- कागज़ पर लिखे क्षण भर के अनुभव जीवन भर के लिए स्थाई हो जाते हैं - जैसे क्षण भर की रोपाई अनंतता की कटापई हो।

10. (क) i) शिरीष की चर्चा हुई है। 2x4 = 8 अंक

ii) शिरीष के विषय में यह धारणा कि शिरीष वृक्ष का सब कुछ कोमल है।

(ख) फल मजबूत होते हैं और नए फलों के आने तक वृक्ष में ही लटके रहते हैं।

(ग) आज नेता भी बिना धकियाए अपना पद नहीं छोड़ते, लेखक ने इसी संदर्भ में नेताओं का जिक्र किया है।

(घ) वसंत के आगमन पर सारी वनस्पति पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, परंतु शिरीष के पुराने सूखे फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते है।

अथवा

(क) कहानी में नमक की पुड़िया के साथ मुहब्बत जुड़ी है। किंतु नमक को पाकिस्तान से भारत लाना कानूनी अपराध था।

(ख) उन्होंने कस्टम अधिकारी को साफ बताया होगा कि पाकिस्तान से भारत गई एक वृद्ध महिला की चाहत को पूरा करने के लिए वे नमक भारत ले जाना चाहती हैं।

(ग) प्यार कानून से ऊपर होता है। इसलिए कस्टम के नियम उसके आड़े नहीं आएंगे।

(घ) मुक्त उत्तर संभव। सहमत होने/न होने के समर्थन में कोई दो तर्क।

11. किन्हीं चार का उत्तर अपेक्षित 3x4=12 अंक

(क) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया कि कुछ देकर ही कुछ पाया जा सकता है। पानी देकर ही हम इंद्र से पानी की अपेक्षा रखते हैं।

(ख) ग्राहक को लुभा-लुभा कर ऐसी वस्तु खरीदवा देना जो उसके किसी काम की नहीं। जादू चढ़ने पर मनुष्य बौरा जाता है और उतरने पर निराशा मिलती है। 3

(ग) दंगल में विजयी होने के बाद श्याम नगर राजा के दरबार में लुट्टन सिंह को जगह मिल गई। क्षेत्र का हर पहलवान लुट्टन से हार चुका था। अब राजदरबार में लुट्टन दर्शनीय जीव बन गया था। 3

(घ) i) परित्यक्ता का पुत्र, ii) भयावह गरीबी, iii) मां का पागलपन, iv) समाज द्वारा दुत्कारा जाना। खानाबदोशों से जुड़ाव, इन सब ने चार्ली के व्यक्तित्व को संपन्नता दी। 3

(ङ) i) स्वाभाविक विभाजन नहीं, ii) मनुष्य की रूचि के अनुसान नहीं, iii) श्रम का सही विभाजन नहीं, iv) क्षमता का विकास नहीं किया जाना, v) माता-पिता की सामाजिक स्थिति से निर्धारण और जन्म से पूर्व ही निर्धारण। (कोई तीन) 3

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित 3+3=6 अंक

(क) i) जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए संघर्ष।
ii) शिक्षा के लिए संघर्ष।
iii) माता-पिता में शिक्षा की कमी।

(ख)
- अपने निवास के पास पहुंचकर वाई.डी पंत ने कई परिवर्तन देखे।
- वे 'एनीवर्सरी' के समर्थक नहीं थे, उसी का आयोजन हो रहा था।
- अतिथियों की भीड़-भाड़।

(ग)
- इस डायरी में भय, आतंक, भूख, प्यास, घृणा, बढ़ती उम्र की तकलीफें, हवाई हमले के डर, युद्ध की पीड़ा-जो यहूदियों पर ढाए गए थे।
- महायुद्ध काल की सामाजिक स्थितियों का महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज।
- अपने जीवन से संबंधित घटनाओं का स्पष्ट चित्रण

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित 3+3=6 अंक

(क)
- महिलाओं में शिक्षा का अभाव।
- प्रचलित धारणाओं के कारण बहुत से कष्टों को सहन कर रही हैं।
- ऐन फ्रैंक स्त्रियों की स्वतंत्रता की पक्षधर थी।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) • किशन दा का अतीत के आदर्श के प्रति प्रेम।

- वर्तमान में अप्रासंगिक।
- यशोधर के लिए अतीत और वर्तमान में तालमेल बिठाना कठिन

(ग) • किशोर के जीवन का यथार्थ चित्रण।

- जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओ के लिए संघर्ष।
- ग्रामीण जीवन का मर्मस्पर्शी वर्णन।
- कठिनाईयों और बाधाएं झेलते हुए भी शिक्षा के प्रति लगन।

13. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित 2+2 = 4

(क) ऐन फ्रेंक अज्ञातवास में थी। वैसी अवस्था में उन्हें किसी से बात करने की तीव्र इच्छा हो रही होगी- जो संभव नहीं था। अतः किट्टी (गुड़िया) को संबोधित की होगी।

(ख) • यशोधर बाबू अंत तक अपने ही बच्चों के विचार के साथ समायोजित नहीं कर सके।

- पिता के रूप में संतान की प्रगति अच्छी लगती है।
- प्रारंभ में ही अधिक वेतन, सुख-सुविधाओं की चाहत आदि समहाऊ इंप्रॉपर' लगते हैं।

(ग) सिंधु सभ्यता में राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन नहीं है। इसमें आडंबर, नहीं, शांतिप्रियता है। अतः आज के मुहावरे में इसे 'लो प्रोफाइल' सभ्यता कहा जाता है।

14. अंक विभाजन - उत्तर के चार बिंदु - 4 5 अंक

- भाषा और प्रस्तुति -1

i) ये खंडहर उस समाज की रहन-सहन व्यवस्था के साथ ही उन पूर्वजों के जीवन के ऐसे क्षेत्रों से भी परिचय कराते है, जिनसे अभी तक हम अपरिचित थे।

ii) मन में यह भाव रहता है कि कल तक जो लोग यहां रहते थे हम उसी सभ्यता के परंपरा में है।

iii) कभी यह हमारे ही घर थे, किंतु विडंबना है कि आज हम दर्शक मात्र रह गए हैं।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

iv) इन खंडहरों में खड़े होकर हम कल्पना करते हैं कि हजारों साल पहले यहाँ जीवन की चहल-पहल थी।

v) ऐसा लगता है, मानो यहां के निवासी अभी कुछ समय पहले ही घर छोड़कर गए हैं और ये खंडहर उस प्राचीन सभ्यता के ठोस प्रमाण है।

अथवा

i) जिम्मेदार पिता।

ii) परंपरागत मूल्यों में विश्वास।

iii) सामान्यतः जीवन मूल्यों में परिवर्तन को स्वीकार करने में संकोच।

iv) कर्मनिष्ठ।

ii) धार्मिक।

ii) समय के पाबंद।